उपाध्याय श्री पुष्कर मुनि अभिनन्दन ग्रन्थ(फोल्डर नं. ०१२०१२)

मुख्य टाईटल
सम्पादकीय
प्रकाशकीय प्रज्ञापना
शुभकामना
संदेश
अनुक्रमणिका

प्रथम खण्ड – श्रद्धार्चन

गद्य भाग

आशीर्वचन -- १
आशीर्वचन --२
शरद के चांद की तरह चमकते रहें --३
प्रतिभा के पुंज --- ४
विशेषतओं के धनी --- ५
स्नेह-सौजन्यकी साक्षात मूर्ति --- ६
सन्त परम्परा का एक तेजस्वी नक्षत्र -- ७
अध्यात्म,शिक्षा और संस्कृति के पुरोधा ---८
संयम ने सुयश री रति दनोदन बढती रहै --- ९
उपाध्याय श्री पुष्कार प्रति एक शब्द कथा --१३
ओजस्वी जीवन और तेजस्वी कृतित्व -- १४
जीवन के उजले क्षण -- १६
श्रद्धा-स्निग्ध पुष्प --- १७
एक आकर्षक व्यक्तित्व --- २०
गुलाब के फूल की तरह मुस्कराता हुआ भव्य व्यक्तित्व ------------------------------------- २२
प्रेरणा स्त्रोत-गुरुदेव --- २४
साधुता के अमर प्रतीक --- २७
अनुभव के दर्पण में -- २९
श्रमण संघ के मूर्धन्य सन्त --- ३०
विराट व्यक्तित्व के धनी ---३१
मेरे श्रद्धास्पद --३१
मधुर जीवन --- ३३
पारस-पुष्प -- ३४
यशस्वी व तेजस्वी सन्त -- ३५
जीव के निर्माता -- ३६

जाज्वल्यमान नक्षत्र -- ३७
पारदर्शी और तेजोमय व्यक्तित्व -- ३८
कुशल माली, अध्यात्म उपवन के -- ३९
आकर्षण का केन्द्र -- ४०
पूना चातुर्मास एक पुण्य संस्मरण --- ४१
चतुमुर्खी प्रतीभा के सजग-प्रहरी -- ४२
अणोरणीयान महतो महीयान -- ४३
जीवन के कलाकार -- ४४
वात्सल्यमूर्ति -- ४४
शासन की जगमगती ज्योति -- ४५
प्रभावकारी और चमत्कारी व्यक्तित्व -- ४५
विलक्षण व्यक्तित्व --- ४७
दिव्य व भव्य व्यक्तित्व -- ४८
जीओ हे युगावतार -- ५०
तत्वदर्शी युग-पुरुष --- ५१
श्रमणसंघ के भूषण --- ५२
अदभूत विशेषताओं के धनी --- ५३
स्मृतियों के वातायन से -- ५४
भाव-कलियाँ --- ५४
श्रद्धा के फूल --- ५५
श्रमण संस्कृति के सजग प्रहरी पूज्य गुरुदेव -- ५६
ते गुरु मेरे उर बसो --- ५८
एक महामहिम व्यक्तित्व -- ५९
मां का वात्सल्य और पिता का अनुशासन --- ६१
श्रमण संस्कृति के सतेज साधक --- ६२
मानवता का मसीहा --- ६३
प्रेरणा के स्त्रोत --- ६४
मधुर जीवन --- ६५
अभिवन्दन अभिवन्दन -- ६५
उच्च जीवन --- ६७
My Pranams --- 68
सुनहरे संस्मरण --- ६९
एक आलोक पूज्ज उपाध्यायश्री -- ७०
ज्ञान की जगमगाती ज्योति --- ७१
अध्यात्मरसिक पुष्करमुनिजी--- ७३

साधना की मंगल मुस्कुराहट -- ७४
ईतिहास की पुनरावृति -- ७६
सदगुणों के संगम-स्थल -- ७७
बहुश्रुत साधक --- ७८
विधानुरागी एवं कथाशिल्पी --- ७८
अनोखा व्यक्तित्व -- ७९
अभिनन्दन एक रचनाधर्मी सांस्कृतिक चेतना का --------------------------------------- ८०
राजस्थान केशरी श्री पुष्करमुनि जी --८१
सांस्कृतिक एकता के सेतु श्री पुष्करमुनि -- ८२
धर्म के मर्मज्ञ -- ८३
महामानव राजस्थान केशरी पुष्करमुनिजी महाराज --------------------------------------- ८४
श्रमणसंघ की विभूति -- ८५
जागरुक सन्तरत्न -- ८६
ज्ञान का देवता --- ८७
अदभूत-प्रभाव -- ८७
अक्षय आनन्द के स्त्रोत -- ८८
जीवन नौका के नाविक --- ८८
अनासक्त योगी गुरुदेव --- ८९
प्रेरणा के अक्षय पुञ्ज -- ९०
सदगुणों का खिला हुआ बगीचा -- ९०
बहुमुखी प्रतिभा के धनी --- ९१
श्रद्धा के केन्द्र गुरुदेव -- ९२
सच्चे सन्त -- ९३
अदभूत प्रभाव -- ९४
तीर्थंराज पुष्कर -- ९५
सदगुणों के पुञ्ज -- ९६
प्रकाश स्तम्भ -- ९७
हार्दिक श्रद्धार्चना --- ९७
बीसवी सदी के महापुरुष --- ९७
आचारनिष्ठ सन्त --- ९८
अविस्मरणीय वर्षावास -- ९८
गुणज्ञ सन्त -- ९९
निस्पृहयोगी को प्रणाम श्री दानमल पुनमिया(महामन्त्री-राजस्थान केसरी अभिनन्दन ग्रंथ प्रकाशन स.) -- ९९

पद्य भाग

पथ-प्रदर्शक श्रमण सन्त -- १००
आशीर्वचन --- १०२
अभिनन्दन ईक्कीसी --- १०३
वन्दन- अभिनन्दन -- १०५
सदा रहो जयवंत -- १०५
पुष्कर आप सुतीर्थ --- १०५
श्रद्धा के पुष्प -- १०६
दो चरण --- १०७
पढो सभी पुष्कर प्रभा -- १०८
हमारे गुरुदेव --- १०९
उपाध्याय पुष्कर मुनिवर का अभिनन्दन हो --- ११०
महागुणी पुष्कर मुनी --- १११
शतश अभिनन्दन --११२
वन्दना ---११२
अभिनन्दन ---११३
वन्दना -- ११४
सुवासित पुष्प -- ११५
मनोकामना -- ११५
पेखो मुनि पुष्कर- प्रभा --- ११६
शुभ- कामना -- ११९
भाव- वन्दना -- ११९
युग- पुरुष तुम्हें शत-शत वंदन --- १२०
श्रद्धामय गुरु --- १२०
ओ जंगम पुष्कर तीर्थराज, पुष्कर तेरा अभिनन्दन है -----------------------------------१२१
श्री पुष्कर गुरु-गुण गीतिका --- १२२
वंदियव्वो महागुरु -- १२२
श्रद्धाकुसुम समर्पणम् -- १२३
गौरवं गुण-पञ्चकम् -- १२४
श्रद्धापुष्पाभिनन्दनम् -- १२५
काव्य प्रशस्ति -- १२६
अभिनन्दन पत्र --- १३६

द्वितीय खण्ड – जीवन दर्शन

साक्षात्कार एक युग पुरुष का --- १३७
छवि अभ्यन्तर व्यक्तितिव की --- १४७
कुछ विशिष्ट सम्पर्क एवं विचार-चर्चाएँ -- १५९

कदम-कदम पर पदम खिले १७४
संस्मरण कुछ मीठे-कुछ कडवे १७७
राजस्थान केशरी श्री पुष्करमुनिजी का सन्त व सती परिवार १८४
श्रीमद पुष्कर-गुर्वाष्टकम १९२

तृतीय खण्ड गुरुदेव की साहित्य धारा

गुरुदेव की साहित्य धारा एक अवगाहन १९३
श्रीमदाचार्यामरसिंह महाकाव्यम एक समीक्षात्मक अध्ययन २१०
श्री पुष्करमुनिजी का कथा साहित्य एक आलोचनात्मक द्रष्टि २१४
विचार और वाणी के धनी-प्रवचनकुशल श्री पुष्कर मुनि २२८
अनुभव के बोल (श्री गुरुदेव के साहित्य से संकलित) २३२

चतुर्थ खण्ड जैनदर्शन-चिन्तन के विविध आयाम

जैनदर्शन का आदिकाल – श्री दलसुख मालवणीया २३७
Some Concepts underlying Jain Logic & Philosophy – Dr. S. S. Barlingay 243
जैनन्याय का पुनर्वीक्षण – डॉ. संगमलाल पाण्डेय २४७
जैनतर्कशास्त्र में अनुमानविमर्श – डॉ. दरबारीलाल कोठिया २५३
The Philosophy of Mahavira – Dr. Satya Ranjan 259
जैनदर्शन की निक्षेप पद्धति – उपाध्याय श्री मधुकर मुनि २६२
जैनदर्शन में आगम (श्रुत) प्रमाण – डॉ. हेमलता बोलीया २६९
The Relativity of Naya in Jain Logic – Dr. Brij Kishor Prasad 278
भारतीय दार्शनिक परम्परा और स्याद्वाद – डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री २८३
जैनदर्शन में जीवतत्त्व – एक विवेचन – श्री विजय मुनि २९०
Pramana and Naya in Jaina Logic – V. K. Bharadwaj 303
भारतीय दर्शन में आत्ममीमांसा – श्री अरुणविजय मुनि ३०८
जैनदर्शन में मुक्ति – स्वरूप और प्रक्रिया – श्री ज्ञानमुनिजी महाराज ३१४
ईश्वरवाद तता अवतारवाद – श्री सौभाग्यमल ३२३
ईश्वर और मानव – डॉ. कृष्ण दिवाकर ३२९
जैनदर्शन में तत्त्वचिन्तन – डॉ. साध्वी धर्मशीलाश्रीजी ३३३
Apah : Divine and Purifying Substance – Dr. J. R. Doshi 342
जैनदर्शन में अनेकान्त – महासती श्री कुसुमवति ३५३
भारतीय दर्शनों में आत्मतत्त्व – महासती श्री प्रमोदसुधाश्रीजी ३५६
दर्शन और विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में पुद्गल – एक विश्लेषणात्मक विवेचन –राष्ट्रसंत आनंदऋषिजी ३६१
जैन दर्शन के सन्दर्भ में पुद्गल – श्री रमेश मुनिजी ३७५
पुनर्जन्म सिद्धान्त – प्रमाणसिद्ध सत्यता – श्री भगवती मुनि ३७८
विश्व को जैनदर्शन की देन – डॉ. डी. जी. जोशी ३९५
A Survey of the Plant & Animal Kingdom as Revealed in Jaina Biology – Dr. J. C. Sikdar 397

पंचम खण्ड – जैन साधना एवं मनोविज्ञान

जैन साधना का रहस्य – श्री जमनालाल जैन -- ४१७
जैन और बौद्ध साधना पद्धति – डॉ. भागचन्द्र - भास्कर ------------------------------------ ४२३
मन-शक्ति, स्वरूप और साधना – एक विश्लेषण – डॉ. सागरमल जैन ------------------------ ४३६
Jaina Mysticism – Dr. Kamal Chand Sogani -- 454
लेश्या – एक विश्लेषण – श्री देवेन्द्र मुनि -- ४६१
आत्मज्ञान – कितना सच्चा, कितना झूठा – मुनि श्री नेमिचन्द्रजी -------------------------- ४७४
जैनधर्म की वैज्ञानिकता और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के सन्दर्भ – डॉ. राजकुमार जैन -- ४७७
स्वप्नशास्त्र – एक मीमांसा – मुनि श्री मिश्रीमलजी --- ४८३
Characteristics of Jaina Mysticism – Dr. Shanti Jain --- 500
आध्यात्मिक साधना का विकासक्रम गुणस्थान – श्री देवेन्द्र मुनि शास्त्री --------------------- ५०५
श्रमण धर्म – एक विश्लेषण – श्री हीरा मुनि हिमकर -- ५३३
Ahimsa – A Psychological Study – Dr. T. G. Kalghatgi --- 536
आगमों के आलोक में-श्रावकाचार – एक परिशीलन – आर्या श्री चन्द्रावतीजी ---------------- ५४०
जैन साधना पद्धति में ध्यान – साध्वी दर्शनप्रभा -- ५५४

षष्ठ खण्ड – जैन साहित्य-बहुरंगी परिवेश

भारतीय साहित्य को जैन साहित्य की विशिष्ट देन – श्री अगरचन्द नाहटा------------------ ५५७
जैन आगमों का व्याख्या साहित्य – श्री महेन्द्र मुनि--- ५६३
Impersonal Universal Vision – Swami Nirmalananda -- 569
पाश्चात्य विद्वानों का जैनविद्या को योगदान – डॉ. प्रेमसुमन जैन----------------------------- ५७३
जैनविद्या के मनीषी प्रोफेसर आल्सफोर्ड – डॉ. जगदीशचन्द्र जैन ----------------------------- ५८२
प्राकृत एवं अपभ्रंश का आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं पर प्रभाव – डॉ. महावीरसरन जैन --- ५८७
The Logavijaya Niksepa and Lokavicaya – Dr. Bhatt -- 596
श्री नेमिचन्द्रजी महाराज – श्री देवेन्द्र मुनि शास्त्री --- ६०५
हिन्दी जैन कवियों की छन्द योजना – डॉ. महेन्द्र सागर प्रचण्डिया ------------------------- ६१०
Jain Sahitya in Kannada Literature – B. S. Sanniah --- 616
प्राचीन जैनाचार्य और रस-सिद्धान्त – डॉ. आनन्द प्रकाश दिक्षीत ----------------------------- ६१८
जैन ज्योतिष साहित्य – एक चिन्तन – श्री कस्तूरचन्दजी ---------------------------------- ६२३
जैन भूगोल पर एक दृष्टिपात – नेमीचन्द्र सिंघई --- ६२९
Jain Literature in Kannada – Dr. B. K. Khadbadi --- 637
हिन्दी जैन काव्य में योगसाधना और रहस्यवाद – डॉ. पुष्पावती जैन ------------------------ ६४३
Some Amphibious Expressions in Umaswati – Dr. M. P. Marathe -------------------------- 659
जैन रामकथा की पौराणिक और दार्शनिक पृष्ठभूमि – डॉ. गजानन नरसिंह साठे -------------- ६६६
मराठी जैन साहित्य – डॉ. विद्याधर जोहरापुरकर -- ६७८
Akalanka – As a Logician – Dr. T. G. Kalghatagi --- 683

सप्तम खण्ड – जैन संस्कृति

श्रमण संस्कृति का उदात्त दृष्टिकोण – प्रो. श्रीरंजन सूरिदेव -------------------------------------- १

जैनदर्शन में समतावादी समाज रचना के आर्थिक तत्त्व – डॉ. नरेन्द्र भानावत------------------ ५
अहिंसा-वर्तमान युग में – माणकचन्द कटारिया -- १०
भारतीय साधना पद्धति में गुरुतत्त्व का महत्त्व – डॉ. एन. सी. जोगलकर --------------------- १४
भगवान महावीर और विश्वशांति – श्री गणेश मुनि शास्त्री -------------------------------------- १९
जैन राजनीति – डॉ. गोकुलचन्द्र जैन -- २४
उत्तराध्ययन, गीता और धम्मपद-एक तुलना – पं. श्री उदयचन्द्र ------------------------------ ३३
जैन-संस्कृति में ब्रह्मचर्य एवं आहार-शुद्धि – महासती श्री प्रियदर्शनाश्रीजी ---------------------- ३९
जैन शिक्षा पद्धति – श्रीमती सुनिता जैन --- ४७
स्थानकवासी जैन समाज की अनुपम संस्था-स्थानकवासी श्रमण – श्री जवाहरलाल मूणोत ----- ५६
Jainism – The Most Humanistic Religion – Justice T. K. Tukol--------------------------------- 58

अष्टम खण्ड – जैन परम्परा और इतिहास-एक बहती धारा

जैन धर्म-परम्परा एक ऐतिहासिक सर्वेक्षण – देवेन्द्र मुनि शास्त्री ------------------------------ ६९
श्रमण परम्परा में क्रियोद्धार – देवेन्द्र मुनि शास्त्री -- ८३
युगप्रवर्तक क्रान्तिकारी आचार्य श्री अमरसिंहजी म. – व्यक्तित्व और कृतित्व – देवेन्द्र मुनि शास्त्री -- ८९
हमारे ज्योतिर्धर आचार्य – देवेन्द्र मुनि शास्त्री --- १०७
महामहिम आचार्य – देवेन्द्र मुनि शास्त्री --११८
अध्यात्मयोगि सन्त श्रेष्ठ ज्येष्ठमलजी महाराज – देवेन्द्र मुनि शास्त्री ------------------------- १२३
शासन प्रभाविका अमर साधिकाएँ – देवेन्द्र मुनि शास्त्री ------------------------------------- १३८
अतीत की कुछ स्थानकवासी आर्याएँ – श्री भँवरलालजी नाहटा ------------------------------ १५४

नवम खण्ड – योग एवं साधना-स्वरूप तथा प्रक्रिया

योग-स्वरूप और साधना – एक सर्वांगीण विवेचन – डॉ. ए. डी. बतरा ------------------------- १
Yoga and the Society – Dr. R. V. Ranade--- 24
Yoga and Meditation – B. K. S. Iyengar-- 30
Paths to the Divine – Yogi Amrit Desai-- 32
योग और मन – सुरेश मुनि शास्त्री --- ३६
योग और ब्रह्मचर्य - स्वामी कृपाल्वानन्द -- ४४
Can Yoga pave the way for World Unity – Smt. Sitadevi Yogendra-------------------------- 49
Yoga-Personality, Mind and Vairagya – Dr. K. S. Joshi ------------------------------------ 52
आध्यात्मिक योग और प्राणशक्ति – मुनि नवमल -- ५८
योग और परामनोविज्ञान – डॉ. रामनाथ शर्मा --- ६७
अरविन्द की योग साधना – कन्हैयालाल राजपुरोहित -- ७३
प्राणायाम-एक चिन्तन – महासती पुष्पावती ---८१
पतंजलि योगशास्त्र-एक चिन्तन – डॉ. बसन्त ब्रजानन्द राहुरकर ------------------------------ ८४
Yoga in Physical Education – Dr. M. L. Gharote--- 88
Yoga & West – Swami Vishnu Devananda -- 96
Why is the West Interested in Yoga – B. K. S. Iyengar --------------------------------------- 97

तान्त्रिक साधनाएँ – एक पर्यवेक्षण – डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी ------------------------------------ १००
विपश्यना-कर्मक्षय का मार्ग – कन्हैयालाल लोढ़ी -- १०८
योग-एक जीवन पद्धति – का. व. सहस्त्रबुद्धे ---११२
अकुलागम का परिचय – रा. पा. गोस्वामी ---११३
Integral Yoga – Its Nature & Significance – Dr. G. N. Joshi ---------------------------------- 121
मन्त्र शक्ति-एक चिन्तन – प्रो. जी. आर. जैन -- १३७
सूफी सिद्धान्त और साधना – डॉ. केरव प्रथमवीर -- १४०
भावातीत ध्यान - कृष्णकुमार -- १४६
योगसाधना – एक पर्यवेक्षण – उपाध्याय श्री फूलचन्दजी महाराज --------------------------- १४८
कुंडलिनी योग-जैन दृष्टि में – अम्बालाल प्रेमचन्द शाह ------------------------------------- १५२
देखना, मात्र देखना ही हो – सत्यनारायण गोयनका -- १५५
This is Reality….A Fresh Look at Meditation – Dr. Motilal ------------------------------------ 158
साधना में आहार का स्थान – ऋषभदास रांका --- १६०
जप साधना और मनोविज्ञान – डॉ. ए. डी. बतरा --- १६५
जप साधना – मुनिप्रवर कुन्द-कुन्दविजयजी -- १६८
कुण्डलिनी योग-एक विश्लेषण – योगाचार्य स्वामी कृपाल्वानन्द ------------------------------ १७१
Modern Psycho-therapy V/s. Ancient Indian Psycho-therapy – Dr. S. N. Bhavsar------ 191
योग और नारी – पं. गोविन्दराम व्यास --- १९८
Shodhana Kriyas-An Analysis – Dr. M. L. Gherore --- 201
प्राणायाम-एक चिन्तन – साध्वी दिव्यप्रभा -- २०७
Philosophy of Tantrik Yoga Sadhana – Dr. Vaishishtha Narain Tripathi ------------------- 210
Yoga and My Experience of Teaching in the West Europe – Smt. Atma Devi ----------- 219
Yoga for Me – Susan Shaw -- 221
Yoga and America – Yogi Shantananda --- 222
The Extinct Yogi – Jayadeva Yogendra -- 223
Yoga Sadhana – Bhag Singh Lamba --- 225
Self Realization Through Vedant and Yoga – Kiyoshi Kuromiya---------------------------- 228
Yoga Flourishes in Brazil – Ignez Novaes Romell -- 232
Research in Yoga by the Methods of Modern Natural Sciences – Dr. P. V. Karambelkar --- 235
Concept of Pathogenesis with Special reference to Yoga & Ayurveda – Dr. S. N. Bhavsar -- 247
Introvert and Agamas – Dr. Prabhakar Apte --- 255